जनसंख्या - वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» जनसंख्या आँकड़ों के स्रोत

प्रश्न 1 (आसान). भारत में जनसंख्या आँकड़ों का मुख्य स्रोत क्या है?
उत्तर – जनगणना

प्रश्न 2 (आसान). जनगणना कितने वर्षों के अंतराल पर होती है?
उत्तर – 10 वर्षों

प्रश्न 3 (मध्यम). भारत की पहली जनगणना और पहली संपूर्ण जनगणना की तारीखों में क्या अंतर है?
उत्तर – भारत की पहली जनगणना 1872 में हुई थी, जबकि पहली संपूर्ण और व्यवस्थित जनगणना 1881 में संपन्न हुई थी। पहली जनगणना एक आंशिक प्रयास था, जबकि दूसरी पूरी तरह से देशव्यापी थी।

» जनसंख्या का वितरण

प्रश्न 4 (आसान). भारत में जनसंख्या के वितरण का स्वरूप कैसा है - समान या असमान?
उत्तर – भारत में जनसंख्या के वितरण का स्वरूप अत्यधिक असमान है।

प्रश्न 5 (आसान). जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले किन्हीं दो भौतिक कारकों के नाम बताओ।
उत्तर – जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले दो भौतिक कारक हैं: भू-विन्यास (ज़मीन का आकार जैसे पहाड़ या मैदान) और जल की उपलब्धता।

प्रश्न 6 (मध्यम). उत्तरी भारत के मैदानों में दक्षिणी भारत के आंतरिक भागों की तुलना में अधिक जनसंख्या क्यों पाई जाती है?
उत्तर – उत्तरी भारत के मैदानों में उपजाऊ मिट्टी, पर्याप्त पानी (नदियों से), और समतल भू-भाग है जो खेती और परिवहन के लिए आसान है, इसलिए यहाँ जनसंख्या अधिक है। दक्षिणी भारत के आंतरिक भाग ज़्यादातर पठारी और पहाड़ी हैं, जहाँ खेती और जीवन थोड़ा कठिन है।

प्रश्न 7 (कठिन). उन मुख्य सामाजिक-आर्थिक और ऐतिहासिक कारकों की चर्चा करें जो भारत में जनसंख्या के सघन वितरण में योगदान करते हैं।
उत्तर – मुख्य सामाजिक-आर्थिक और ऐतिहासिक कारकों में स्थायी कृषि का विकास, मानव बस्तियों का निर्माण, परिवहन और संचार के साधनों का विकास, औद्योगीकरण और शहरीकरण शामिल हैं। इन कारकों ने लोगों को एक जगह पर बसने और वहीं जीवनयापन करने के लिए प्रेरित किया है, जिससे जनसंख्या का सघन वितरण हुआ है।

» जनसंख्या का घनत्व

प्रश्न 8 (आसान). अगर किसी ज़िले की जनसंख्या 5 लाख है और क्षेत्रफल 1000 वर्ग किमी है, तो उसका जनसंख्या घनत्व क्या होगा?
उत्तर – 500 व्यक्ति/वर्ग किमी

प्रश्न 9 (आसान). जनसंख्या घनत्व को किस इकाई में व्यक्त किया जाता है?
उत्तर – व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर

प्रश्न 10 (मध्यम). भारत का जनसंख्या घनत्व 2011 के अनुसार लगभग कितना था? और 1951 से तुलना करने पर इसमें कितनी वृद्धि हुई है?
उत्तर – भारत का जनसंख्या घनत्व 2011 में 382 व्यक्ति/वर्ग किमी था। 1951 में यह 117 व्यक्ति/वर्ग किमी था, तो इसमें लगभग 265 व्यक्ति/वर्ग किमी की वृद्धि हुई है।

प्रश्न 11 (कठिन). भौतिक घनत्व (Physiological Density) और कृषि घनत्व (Agricultural Density) जनसंख्या घनत्व से किस प्रकार भिन्न हैं और भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए वे क्यों अधिक उपयोगी माप हो सकते हैं?
उत्तर – भौतिक घनत्व = कुल जनसंख्या / निवल कृषि क्षेत्र, जबकि कृषि घनत्व = कुल कृषि जनसंख्या / निवल कृषि क्षेत्र। सामान्य जनसंख्या घनत्व केवल कुल क्षेत्रफल पर आधारित होता है। लेकिन भारत जैसे कृषि प्रधान देश में, जहाँ बहुत सारे लोग खेती पर निर्भर हैं, भौतिक और कृषि घनत्व अधिक सटीक जानकारी देते हैं कि कितनी कृषि योग्य ज़मीन पर कितना 'दबाव' है। ये बताते हैं कि एक वर्ग किलोमीटर खेती की ज़मीन पर कितने लोग रहते हैं (भौतिक) या खेती से जुड़े कितने लोग रहते हैं (कृषि)।

» जनसंख्या की वृद्धि

प्रश्न 12 (आसान). जनसंख्या की वृद्धि को किसमें अभिव्यक्त किया जाता है?
उत्तर – प्रतिशत में।

प्रश्न 13 (आसान). जनसंख्या वृद्धि के मुख्य कितने घटक होते हैं?
उत्तर – दो घटक: प्राकृतिक और अभिप्रेरित।

प्रश्न 14 (मध्यम). भारत की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर क्या है?
उत्तर – 1.64 प्रतिशत।

प्रश्न 15 (कठिन). प्राकृतिक वृद्धि और अभिप्रेरित वृद्धि में क्या अंतर है?
उत्तर – प्राकृतिक वृद्धि जन्म और मृत्यु दर से तय होती है, जबकि अभिप्रेरित वृद्धि लोगों के एक जगह से दूसरी जगह आने-जाने (प्रवास) से तय होती है।

» जनसंख्या के दुगुना होने का समय

प्रश्न 16 (आसान). अगर किसी देश की जनसंख्या वृद्धि दर 1% है, तो उसे दुगुना होने में कितने वर्ष लगेंगे?
उत्तर – 70 वर्ष

प्रश्न 17 (आसान). जनसंख्या के दुगुना होने का समय ज्ञात करने के लिए किस नियम का प्रयोग किया जाता है?
उत्तर – '70 के नियम' (Rule of 70)

प्रश्न 18 (मध्यम). यदि कोई गाँव हर 10 वर्ष में अपनी जनसंख्या को दुगुना कर लेता है, तो उसकी वार्षिक वृद्धि दर कितनी होगी?
उत्तर – 7% वार्षिक (लगभग)

प्रश्न 19 (कठिन). भारत की वर्तमान जनसंख्या वृद्धि दर लगभग 1% है। इस दर से भारत की जनसंख्या को दुगुना होने में कितने वर्ष लगेंगे और इसका भारत के संसाधनों पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर – इस दर से भारत की जनसंख्या को दुगुना होने में लगभग 70 वर्ष लगेंगे। इसका प्रभाव यह होगा कि हमें शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, आवास और रोजगार जैसे संसाधनों पर भारी दबाव देखने को मिलेगा, जिससे विकास की चुनौतियाँ बढ़ेंगी।

» जनसंख्या वृद्धि की प्रावस्थाएँ

प्रश्न 20 (आसान). भारत में किस अवधि को 'जनसंख्या वृद्धि की स्थिर प्रावस्था' कहा जाता है?
उत्तर – 1901 से 1921 की अवधि को 'स्थिर प्रावस्था' कहा जाता है.

प्रश्न 21 (आसान). किस प्रावस्था में नकारात्मक वृद्धि दर दर्ज की गई थी?
उत्तर – प्रावस्था क (1911-1921) में नकारात्मक वृद्धि दर दर्ज की गई थी.

प्रश्न 22 (मध्यम). प्रावस्था ख (1921-1951) में जनसंख्या वृद्धि दर बढ़ने का मुख्य कारण क्या था?
उत्तर – इस अवधि में मृत्यु दर में कमी आई (स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार) जबकि जन्म दर ऊंची बनी रही, जिससे वृद्धि दर बढ़ी.

प्रश्न 23 (कठिन). 1981 के बाद से जनसंख्या वृद्धि दर की प्रवृत्ति क्या रही है और इसके दो कारण दीजिए?
उत्तर – 1981 के बाद जनसंख्या वृद्धि दर ऊंची रही है, लेकिन धीरे-धीरे घटने लगी है. इसके कारणों में अशोधित जन्म दर में गिरावट, विवाह की औसत आयु में वृद्धि और स्त्री शिक्षा तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार शामिल हैं.

» जनसंख्या वृद्धि में क्षेत्रीय भिन्नताएँ

प्रश्न 24 (आसान). भारत के किन राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर 20% से कम रही है?
उत्तर – केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा।

प्रश्न 25 (आसान). किस राज्य में भारत में सबसे कम जनसंख्या वृद्धि दर दर्ज की गई है?
उत्तर – केरल (9.4%)।

प्रश्न 26 (मध्यम). भारत के उत्तर-पश्चिमी, उत्तरी और उत्तर-मध्य भागों के राज्यों में औसत वृद्धि दर क्या रही है?
उत्तर – औसत वृद्धि दर 20-25% रही है।

प्रश्न 27 (कठिन). वर्ष 2001-2011 के दौरान सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में जनसंख्या वृद्धि दर में क्या बदलाव आया?
उत्तर – पिछले दशक (1991-2001) की तुलना में जनसंख्या वृद्धि दर धीमी रही है।

» किशोर जनसंख्या और चुनौतियाँ

प्रश्न 28 (आसान). भारत में किशोर जनसंख्या किस आयु वर्ग में आती है?
उत्तर – 10 से 19 वर्ष

प्रश्न 29 (आसान). 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या का कितना प्रतिशत किशोर हैं?
उत्तर – लगभग 20.9 प्रतिशत

प्रश्न 30 (मध्यम). किशोर जनसंख्या की किन्हीं दो चुनौतियों के नाम बताइए।
उत्तर – बाल विवाह और निरक्षरता।

प्रश्न 31 (कठिन). आपकी राय में, किशोरों को सही मार्गदर्शन और दिशा-निर्देश न मिलने से समाज पर क्या प्रभाव पड़ सकता है?
उत्तर – इससे किशोर गलत आदतों में पड़ सकते हैं जैसे नशा या अपराध, और देश अपनी युवा शक्ति का सही उपयोग नहीं कर पाएगा।

» जनसंख्या संघटन का परिचय

प्रश्न 32 (आसान). जनसंख्या संघटन में किन मुख्य बातों का अध्ययन किया जाता है? कोई दो उदाहरण बताओ।
उत्तर – आयु, लिंग, निवास स्थान, भाषा, धर्म, और व्यवसाय। (कोई भी दो सही होंगे)

प्रश्न 33 (आसान). अगर किसी गाँव में ज़्यादातर लोग 60 साल से ज़्यादा उम्र के हों, तो यह किस तरह के संघटन को दर्शाता है?
उत्तर – यह एक वृद्ध जनसंख्या संघटन को दर्शाता है।

प्रश्न 34 (मध्यम). भारत जैसे देश के लिए जनसंख्या संघटन का अध्ययन क्यों महत्वपूर्ण है? कोई एक कारण बताओ।
उत्तर – यह देश की ज़रूरतों को समझने, नीतियाँ बनाने और संसाधनों के बेहतर उपयोग में मदद करता है। उदाहरण के लिए, अगर युवा आबादी ज़्यादा है, तो रोज़गार के अवसर पैदा करने पर ज़ोर दिया जाएगा।

प्रश्न 35 (कठिन). आपके अनुसार, ग्रामीण और शहरी जनसंख्या संघटन में क्या प्रमुख अंतर हो सकते हैं? संक्षेप में बताओ।
उत्तर – ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर खेती पर आधारित व्यवसाय ज़्यादा होते हैं, लिंग अनुपात अलग हो सकता है (पुरुषों का शहरों की ओर पलायन), और साक्षरता दर शहरों की तुलना में कम हो सकती है। शहरी क्षेत्रों में व्यावसायिक विविधता ज़्यादा होती है, ज़्यादा लोग शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच रखते हैं।

» ग्रामीण-नगरीय संघटन

प्रश्न 36 (आसान). 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की कुल जनसंख्या का लगभग कितना प्रतिशत गाँवों में रहता है?
उत्तर – लगभग 68.8%

प्रश्न 37 (आसान). किस राज्य में ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत बहुत अधिक हो सकता है? (उदाहरण दो)
उत्तर – हिमाचल प्रदेश या बिहार

प्रश्न 38 (मध्यम). ग्रामीण-नगरीय संघटन किसी जगह की सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं का महत्त्वपूर्ण सूचक क्यों होता है?
उत्तर – क्योंकि यह बताता है कि लोग किस तरह का काम करते हैं (खेती या नौकरी), उन्हें कैसी सुविधाएँ मिलती हैं (शिक्षा, स्वास्थ्य) और उनकी जीवनशैली कैसी है।

प्रश्न 39 (कठिन). नगरीय जनसंख्या की वृद्धि दर पिछले दशकों में तेजी से क्यों बढ़ी है? कोई दो कारण बताओ।
उत्तर – नगरीय जनसंख्या की वृद्धि दर तेजी से बढ़ने के मुख्य कारण हैं: आर्थिक विकास के अवसर (नौकरियाँ, व्यापार), और स्वास्थ्य तथा स्वास्थ्य संबंधी दशाओं में सुधार।

» भाषाई संघटन

प्रश्न 40 (आसान). भारत में कितनी भाषाओं को संवैधानिक रूप से 'अनुसूचित भाषा' का दर्जा प्राप्त है?
उत्तर – 22

प्रश्न 41 (आसान). भाषाई संघटन का क्या अर्थ है?
उत्तर – भारत में बोली जाने वाली भाषाओं की विविधता और उनके वितरण का अध्ययन।

प्रश्न 42 (मध्यम). भारत के मुख्य चार भाषा परिवारों के नाम बताइए।
उत्तर – भारोपीय, द्रविड़, ऑस्ट्रिक, चीनी-तिब्बती।

प्रश्न 43 (कठिन). भाषाई संघटन का अध्ययन हमारे देश की संस्कृति और लोगों को समझने में कैसे मदद करता है?
उत्तर – भाषाई संघटन हमें विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक पहचान, ऐतिहासिक जुड़ाव और लोगों के विचारों व जीवनशैली को समझने में मदद करता है। भाषाएँ संस्कृति का दर्पण होती हैं।

» धार्मिक संघटन

प्रश्न 44 (आसान). भारत में सबसे कम प्रतिशत वाला धार्मिक समुदाय कौन सा है जिसके आंकड़े 2011 की जनगणना में दिए गए हैं?
उत्तर – जैन (0.4%)

प्रश्न 45 (आसान). ईसाई समुदाय का 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या में कितना प्रतिशत था?
उत्तर – 2.3%

प्रश्न 46 (मध्यम). कौन से दो धार्मिक समुदाय मिलकर भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 94% बनाते हैं?
उत्तर – हिंदू और मुस्लिम (लगभग 79.8% + 14.2% = 94%)

प्रश्न 47 (कठिन). कल्पना कीजिए कि किसी क्षेत्र में सिख समुदाय की आबादी ज़्यादा है। उस क्षेत्र की संस्कृति पर इसके क्या प्रभाव हो सकते हैं?
उत्तर – भाषा (पंजाबी), पहनावा (पगड़ी, सलवार कमीज), त्यौहार (गुरुपर्व, बैसाखी), खान-पान (लंगर, सरसों दा साग), और सामुदायिक सेवा के मूल्य जैसे कि निस्वार्थ सेवा और समानता का महत्व।

» धर्म और भू-दृश्य

प्रश्न 48 (आसान). धर्म भू-दृश्य को किस प्रकार प्रभावित करता है? कोई एक उदाहरण दीजिए।
उत्तर – धर्म भू-दृश्य को धार्मिक संरचनाओं (जैसे मंदिर, मस्जिद) के निर्माण से प्रभावित करता है।

प्रश्न 49 (आसान). क्या पवित्र पेड़-पौधे भी भू-दृश्य का हिस्सा होते हैं?
उत्तर – हाँ, पवित्र पेड़-पौधे भी भू-दृश्य का हिस्सा होते हैं, क्योंकि ये भी धार्मिक महत्व रखते हैं और ज़मीन पर एक खास पहचान बनाते हैं।

प्रश्न 50 (मध्यम). भारत में विभिन्न धर्मों की धार्मिक संरचनाएँ भू-दृश्य में क्या विविधता लाती हैं?
उत्तर – भारत में विभिन्न धर्मों की धार्मिक संरचनाएँ (मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च) अपने अलग-अलग आकार-प्रकार, स्थापत्य कला और स्थान के उपयोग के कारण भू-दृश्य में विविधता लाती हैं। ये किसी क्षेत्र की धार्मिक पहचान को उजागर करती हैं।

प्रश्न 51 (कठिन). आप अपने आस-पास के भू-दृश्य में धर्म से संबंधित कौन-कौन सी औपचारिक अभिव्यक्तियाँ देखते हैं? विस्तार से बताइए।
उत्तर – मेरे आस-पास के भू-दृश्य में धर्म से संबंधित कई औपचारिक अभिव्यक्तियाँ दिखती हैं। जैसे, एक पुराना शिव मंदिर, जिसके चारों ओर लोग पूजा करने आते हैं। गाँव के किनारे एक कब्रिस्तान है जहाँ अलग-अलग धर्मों के लोग अपने मृतकों को दफनाते हैं। चौराहे पर एक बड़ा पीपल का पेड़ है जिसे लोग पवित्र मानकर जल चढ़ाते हैं। ये सभी भू-दृश्य का हिस्सा बन चुके हैं और धार्मिक पहचान बताते हैं।

» श्रमजीवी जनसंख्या का संघटन

प्रश्न 52 (आसान). अगर कोई व्यक्ति साल में 200 दिन काम करता है, तो वह किस वर्ग में आएगा?
उत्तर – मुख्य श्रमिक

प्रश्न 53 (आसान). जो लोग कोई काम नहीं करते, उन्हें क्या कहते हैं?
उत्तर – अश्रमिक

प्रश्न 54 (मध्यम). भारत में अश्रमिकों का प्रतिशत श्रमिकों से अधिक होना देश के लिए कैसी स्थिति दर्शाता है?
उत्तर – यह एक बड़ा अनुपात आश्रित जनसंख्या का दर्शाता है, जो आर्थिक विकास के लिए चुनौतीपूर्ण है।

प्रश्न 55 (कठिन). आपके अनुसार, भारत में श्रम की सहभागिता दर (Participation Rate) किन क्षेत्रों में अधिक होनी चाहिए और क्यों?
उत्तर – आर्थिक विकास के निम्न स्तरों वाले क्षेत्रों में श्रम की सहभागिता दर ऊँची होती है क्योंकि निर्वाह के लिए अनेक कामगारों की ज़रूरत पड़ती है। विकसित क्षेत्रों में यह अनुपात कम हो सकता है क्योंकि लोग उच्च शिक्षा या दूसरे प्रकार के काम में लगे होते हैं।

» व्यावसायिक संवर्ग

प्रश्न 56 (आसान). जो लोग अपने घर पर छोटा सा पापड़ बनाने का काम करते हैं, वे किस व्यावसायिक संवर्ग में आएंगे?
उत्तर – घरेलू औद्योगिक श्रमिक

प्रश्न 57 (आसान). एक किसान जो अपनी ज़मीन पर धान उगाता है, उसे क्या कहेंगे?
उत्तर – कृषक

प्रश्न 58 (मध्यम). अगर एक शहर की 60% आबादी 'अन्य श्रमिक' है, तो इससे हमें शहर के बारे में क्या पता चलता है?
उत्तर – इससे पता चलता है कि शहर में प्राथमिक और द्वितीयक गतिविधियों के बजाय सेवा क्षेत्र (जैसे नौकरी, व्यापार) ज़्यादा विकसित है।

प्रश्न 59 (कठिन). महिलाओं की भागीदारी प्राथमिक सेक्टर में ज़्यादा क्यों होती है और द्वितीयक/तृतीयक सेक्टर में सुधार की क्या वजह हो सकती है?
उत्तर – महिलाओं की भागीदारी प्राथमिक सेक्टर (खेती) में ज़्यादा इसलिए है क्योंकि गाँवों में वे अक्सर खेतों में काम करती हैं। द्वितीयक और तृतीयक सेक्टर में सुधार की वजह शिक्षा का बढ़ना, रोज़गार के अवसरों का विस्तार और 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसे सामाजिक अभियानों से महिलाओं को बेहतर मौके मिलना है।

» कृषि से गैर-कृषि सेक्टर में बदलाव

प्रश्न 60 (आसान). अगर किसी देश की ज़्यादातर आबादी कृषि में लगी हो, तो उसकी अर्थव्यवस्था को कैसा माना जाएगा?
उत्तर – विकासशील या कृषि-प्रधान।

प्रश्न 61 (आसान). द्वितीयक सेक्टर के कोई दो उदाहरण बताओ।
उत्तर – फैक्ट्री में काम करना, निर्माण का काम।

प्रश्न 62 (मध्यम). अगर गाँव में युवाओं का एक बड़ा हिस्सा खेती छोड़कर शहरों में नौकरी करने लगे, तो इससे गाँव की अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ेगा?
उत्तर – गाँव में कृषि पर निर्भरता कम होगी, लेकिन गाँव से युवाओं का पलायन बढ़ेगा। शहर में गैर-कृषि सेक्टर में श्रम शक्ति बढ़ेगी।

प्रश्न 63 (कठिन). कृषि से गैर-कृषि सेक्टर में बदलाव क्यों ज़रूरी है? कोई दो कारण बताओ।
उत्तर – यह बदलाव इसलिए ज़रूरी है क्योंकि इससे लोगों को खेती से होने वाली कम आय से मुक्ति मिलती है और उन्हें बेहतर रोज़गार के अवसर मिलते हैं। दूसरा, यह अर्थव्यवस्था को अधिक स्थिर और विविध बनाता है, सिर्फ एक सेक्टर पर निर्भरता कम होती है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. भारत में पहली जनगणना कब हुई थी और पहली संपूर्ण जनगणना कब संपन्न हुई?

› हमें याद करना है कि भारत में जनसंख्या के आंकड़े इकट्ठा करने की शुरुआत कब हुई।

› सबसे पहले अंग्रेजों के समय में 1872 में एक कोशिश की गई थी, लेकिन वह पूरी तरह से हर क्षेत्र को कवर नहीं कर पाई थी।

› फिर 1881 में एक पूरी और व्यवस्थित जनगणना की गई, जो आज के जनगणना जैसी ही थी।

उत्तर – भारत में पहली जनगणना 1872 ई. में हुई थी, परंतु पहली संपूर्ण जनगणना 1881 ई. में संपन्न हुई थी।

उदाहरण 2. भारत के किन राज्यों में जनसंख्या का वितरण सघन (घना) है और क्यों?

› सबसे पहले, उन राज्यों को पहचानो जहाँ बहुत ज़्यादा लोग रहते हैं।

› फिर सोचो उन राज्यों में ऐसी क्या खासियतें हैं जो लोगों को वहाँ आकर्षित करती हैं।

› जैसे, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में जनसंख्या सघन है।

› कारण: ये राज्य उपजाऊ मैदानों में हैं (जैसे गंगा के मैदान), जहाँ अच्छी खेती होती है, पानी आसानी से मिलता है। यहाँ शहरों में रोज़गार के मौके भी ज़्यादा हैं। ये सब 'भौतिक' और 'सामाजिक-आर्थिक' कारक हैं।

› इसके अलावा, ऐतिहासिक रूप से भी ये क्षेत्र हमेशा से ही घनी आबादी वाले रहे हैं क्योंकि यहाँ अच्छी बस्तियाँ बसती

थीं।

उत्तर – उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में जनसंख्या का वितरण बहुत सघन है। इसके मुख्य कारण हैं उपजाऊ मैदानी भू-भाग, अच्छी जलवायु और जल की उपलब्धता (भौतिक कारक), साथ ही कृषि विकास, औद्योगीकरण, नगरीकरण और रोज़गार के अवसर (सामाजिक-आर्थिक कारक)।

उदाहरण 3. एक शहर 'अ' की कुल जनसंख्या 20 लाख है और उसका क्षेत्रफल 2000 वर्ग किलोमीटर है। दूसरे शहर 'ब' की कुल जनसंख्या 15 लाख है और उसका क्षेत्रफल 500 वर्ग किलोमीटर है। दोनों शहरों का जनसंख्या घनत्व ज्ञात करें और बताएं कि किस शहर में प्रति वर्ग किलोमीटर अधिक लोग रहते हैं।

› शहर 'अ' का जनसंख्या घनत्व = कुल जनसंख्या / कुल क्षेत्रफल = 20,00,000 / 2000

› शहर 'अ' का जनसंख्या घनत्व = 1000 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर

› शहर 'ब' का जनसंख्या घनत्व = कुल जनसंख्या / कुल क्षेत्रफल = 15,00,000 / 500

› शहर 'ब' का जनसंख्या घनत्व = 3000 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर

उत्तर – शहर 'अ' का जनसंख्या घनत्व 1000 व्यक्ति/वर्ग किमी है, और शहर 'ब' का जनसंख्या घनत्व 3000 व्यक्ति/वर्ग किमी है। शहर 'ब' में प्रति वर्ग किलोमीटर अधिक लोग रहते हैं।

उदाहरण 4. अगर किसी गाँव की जनसंख्या 2010 में 5000 थी और 2020 में बढ़कर 6000 हो गई, तो वार्षिक वृद्धि दर क्या होगी यदि हम मानते हैं कि यह वृद्धि समान रूप से हुई है?

› सबसे पहले, जनसंख्या में कुल परिवर्तन निकालो: 6000 - 5000 = 1000 लोग।

› अब, यह परिवर्तन 10 सालों में हुआ है, तो प्रति वर्ष औसत परिवर्तन हुआ 1000 / 10 = 100 लोग प्रति वर्ष।

› प्रारंभिक जनसंख्या 5000 थी।

› वार्षिक वृद्धि दर का सूत्र है: (प्रति वर्ष परिवर्तन / प्रारंभिक जनसंख्या) * 100।

› तो, (100 / 5000) * 100 = (1/50) * 100 = 2%।

› अरे रुको, भारत की वार्षिक वृद्धि दर जो हमारी किताब में दी गई है, वो 1.64 प्रतिशत है। ये हमारे उदाहरण की 2% से अलग है क्योंकि यह एक काल्पनिक गाँव का उदाहरण था।

› भारत की वास्तविक वार्षिक वृद्धि दर 1.64 प्रतिशत है।

उत्तर – गाँव की वार्षिक वृद्धि दर = 2%।

उदाहरण 5. मान लीजिए किसी क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि दर 2% वार्षिक है। तो, इसकी जनसंख्या को दुगुना होने में कितना समय लगेगा?

› इसके लिए हम '70 के नियम' (Rule of 70) का उपयोग करते हैं।

› सूत्र है: दुगुना होने का समय = 70 / वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में)

› यहाँ वार्षिक वृद्धि दर = 2%

› तो, दुगुना होने का समय = 70 / 2

› दुगुना होने का समय = 35 वर्ष

उत्तर – जनसंख्या को दुगुना होने में 35 वर्ष लगेंगे।

उदाहरण 6. भारत में 'जनसंख्या विस्फोट' की अवधि को पहचानिए और उसके दो प्रमुख कारण बताइए.

› पहले प्रश्न को ध्यान से पढ़ें: 'जनसंख्या विस्फोट' की अवधि और कारण पूछे गए हैं.

› हमने पढ़ा है कि 'जनसंख्या विस्फोट' की अवधि को 'प्रावस्था ग' कहते हैं.

› यह अवधि 1951 से 1981 के दशकों की है.

› इस दौरान मृत्यु दर में बहुत तेज़ी से गिरावट आई (स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के कारण).

› जन्म दर उस समय भी बहुत ऊंची बनी रही, जिससे आबादी तेज़ी से बढ़ी.

› अन्य कारण: आज़ादी के बाद विकास कार्य, जीवन स्तर में सुधार, अंतर्राष्ट्रीय प्रवास (जैसे बांग्लादेशी शरणार्थी).

उत्तर – भारत में 'जनसंख्या विस्फोट' की अवधि 'प्रावस्था ग' थी, जो 1951 से 1981 के बीच रही. इसके दो प्रमुख कारण थे: 1. मृत्यु दर में तीव्र गिरावट (बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छता के कारण). 2. उच्च जन्म दर का बना रहना (लोगों में शिक्षा की कमी और परिवार नियोजन के साधनों की अनुपलब्धता).

उदाहरण 7. मान लीजिए, 1991-2001 के दशक में केरल की जनसंख्या वृद्धि दर 9.4% थी और राजस्थान की 28.4%। इन आंकड़ों से आपको क्या पता चलता है?

› पहला कदम: दोनों राज्यों की वृद्धि दरों की तुलना करें।

› दूसरा कदम: यह देखें कि कौन से राज्य में जनसंख्या वृद्धि धीमी है और कौन से में तेज़।

› तीसरा कदम: इन भिन्नताओं के संभावित कारण सोचें (जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ, परिवार नियोजन)।

उत्तर – केरल की 9.4% की दर दिखाती है कि वहाँ जनसंख्या वृद्धि बहुत धीमी है, जबकि राजस्थान की 28.4% की दर दिखाती है कि वहाँ जनसंख्या अभी भी तेज़ी से बढ़ रही है। इससे पता चलता है कि देश में जनसंख्या वृद्धि दर में बहुत बड़े क्षेत्रीय अंतर हैं।

उदाहरण 8. अगर किसी देश की कुल जनसंख्या 100 करोड़ है और किशोर जनसंख्या का अनुपात 20.9% है, तो किशोरों की संख्या कितनी होगी?

› कुल जनसंख्या = 100 करोड़

› किशोर जनसंख्या का प्रतिशत = 20.9%

› किशोरों की संख्या = कुल जनसंख्या का 20.9%

› किशोरों की संख्या = 100 करोड़ * (20.9 / 100)

› किशोरों की संख्या = 20.9 करोड़

उत्तर – किशोरों की संख्या 20.9 करोड़ होगी।

उदाहरण 9. मान लीजिए कि एक छोटे से शहर में 5,000 लोग रहते हैं। इनमें से 2,800 पुरुष और 2,200 महिलाएँ हैं। 1,000 बच्चे 14 साल से कम उम्र के हैं, 3,000 लोग 15 से 60 साल के बीच के हैं, और 1,000 लोग 60 साल से ऊपर के हैं। ज़्यादातर लोग मज़दूरी का काम करते हैं। इस शहर के जनसंख्या संघटन से आप क्या जानकारी निकाल सकते हैं?

› पहला कदम: लिंग अनुपात देखें - पुरुषों की संख्या (2,800) और महिलाओं की संख्या (2,200)। इससे पता चलता है कि पुरुषों की संख्या ज़्यादा है।

› दूसरा कदम: आयु संरचना देखें - बच्चों की संख्या (1,000), कामकाजी उम्र के लोग (3,000), और वृद्ध लोग (1,000)। इससे पता चलता है कि शहर में ज़्यादातर लोग कामकाजी उम्र के हैं, जो शहर के लिए अच्छा है।

› तीसरा कदम: व्यावसायिक विशेषता देखें - ज़्यादातर लोग मज़दूरी का काम करते हैं। इसका मतलब है कि शहर में शायद ज़्यादा कारखाने या निर्माण कार्य होते हैं।

› निष्कर्ष: इस शहर में पुरुष ज़्यादा हैं, युवा कामकाजी आबादी ज़्यादा है, और मुख्य व्यवसाय मज़दूरी है। इससे सरकार को उनकी ज़रूरतों (जैसे मज़दूरों के लिए काम और आवास) को समझने में मदद मिलेगी।

उत्तर – शहर में पुरुषों की संख्या महिलाओं से ज़्यादा है, अधिकांश आबादी कामकाजी उम्र की है, और प्रमुख व्यवसाय मज़दूरी है। यह संघटन शहर की आर्थिक और सामाजिक ज़रूरतों को समझने में मदद करता है।

उदाहरण 10. मान लीजिए एक राज्य की कुल जनसंख्या 10 करोड़ है। अगर उसमें से 7 करोड़ लोग गाँवों में रहते हैं और 3 करोड़ लोग शहरों में, तो इस राज्य का ग्रामीण-नगरीय संघटन क्या होगा?

› पहला कदम: ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत निकालो। ग्रामीण जनसंख्या (7 करोड़) को कुल जनसंख्या (10 करोड़) से भाग दो और 100 से गुणा करो।

› दूसरा कदम: नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत निकालो। नगरीय जनसंख्या (3 करोड़) को कुल जनसंख्या (10 करोड़) से भाग दो और 100 से गुणा करो।

› या फिर, कुल जनसंख्या के 100% में से ग्रामीण प्रतिशत घटा दो, तो नगरीय प्रतिशत मिल जाएगा।

› तीसरा कदम: दोनों प्रतिशत को साथ में बताओ।

उत्तर – ग्रामीण जनसंख्या = (7 / 10) * 100 = 70%। नगरीय जनसंख्या = (3 / 10) * 100 = 30%। तो, इस राज्य का ग्रामीण-नगरीय संघटन 70% ग्रामीण और 30% नगरीय है।

उदाहरण 11. भारत में संविधान की आठवीं अनुसूची में कितनी भाषाएँ शामिल हैं और सबसे ज़्यादा लोग कौन सी भाषा बोलते हैं?

› पहला कदम: हमें याद करना होगा कि भारतीय संविधान में कितनी भाषाओं को 'अनुसूचित भाषा' का दर्जा मिला है।

› दूसरा कदम: फिर हमें यह भी याद करना है कि इन अनुसूचित भाषाओं में से कौन सी भाषा सबसे ज़्यादा लोगों द्वारा बोली जाती है।

› तीसरा कदम: अपनी जानकारी को मिलाकर सही उत्तर देना है।

उत्तर – भारत में संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाएँ शामिल हैं और इन अनुसूचित भाषाओं में हिन्दी बोलने वालों का प्रतिशत सर्वाधिक है।

उदाहरण 12. 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में सबसे बड़ा धार्मिक समुदाय कौन सा है और उसका कुल जनसंख्या में प्रतिशत कितना है?

› 2011 की जनगणना सारणी देखें, जिसमें भारत के धार्मिक समुदायों की जनसंख्या और कुल प्रतिशत दिया गया है।

› सारणी में 'कुल प्रतिशत' वाले कॉलम में सबसे बड़ी संख्या को पहचानें।

› इस प्रतिशत के सामने वाले 'धार्मिक समुदाय' का नाम नोट करें।

उत्तर – 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में सबसे बड़ा धार्मिक समुदाय 'हिंदू' है, जिसका कुल जनसंख्या में प्रतिशत 79.8% है।

उदाहरण 13. भारत के भू-दृश्य पर धर्मों की औपचारिक अभिव्यक्तियों के कोई दो उदाहरण दीजिए।

› पहला उदाहरण है धार्मिक संरचनाएँ। जैसे, भारत के अलग-अलग कोनों में हमें कई मंदिर (जैसे दक्षिण भारत के बड़े मंदिर), मस्जिदें (जैसे दिल्ली की जामा मस्जिद), गुरुद्वारे (जैसे अमृतसर का स्वर्ण मंदिर) और चर्च देखने को मिलते हैं।

› दूसरा उदाहरण है कब्रिस्तान और समाधियाँ। ये भी धर्म के अनुसार बनाए जाते हैं और ज़मीन के एक बड़े हिस्से को घेरते हैं, जो भू-दृश्य का हिस्सा बन जाता है।

› तीसरा उदाहरण, पवित्र पेड़-पौधे। कई धर्मों में कुछ पेड़-पौधों को पवित्र मानकर उनकी पूजा की जाती है, जैसे पीपल का पेड़, तुलसी का पौधा। ये भी भू-दृश्य का धार्मिक पहलू दिखाते हैं।

उत्तर – भारत के भू-दृश्य पर धर्मों की औपचारिक अभिव्यक्तियों के उदाहरण: 1. धार्मिक संरचनाएँ जैसे मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे। 2. कब्रिस्तान और समाधियाँ। 3. पवित्र वृक्ष और पेड़-पौधे।

उदाहरण 14. मान लीजिए एक गाँव में 100 लोग हैं। इनमें से 45 लोग साल भर खेती करते हैं, 15 लोग साल में 3 महीने के लिए ईंट भट्टे पर काम करते हैं, और बाकी 40 लोग बच्चे या बूढ़े हैं जो कोई काम नहीं करते। इन 100 लोगों को श्रमिक वर्गों में कैसे बाँटेंगे?

› सबसे पहले मुख्य श्रमिकों को पहचानते हैं। जो लोग साल भर खेती करते हैं, यानी 183 दिन से ज़्यादा काम करते हैं, वे मुख्य श्रमिक हैं। इनकी संख्या 45 है।

› अब सीमांत श्रमिकों को देखते हैं। जो लोग साल में 3 महीने (यानी 90 दिन) काम करते हैं, वे 183 दिन से कम काम करते हैं, इसलिए वे सीमांत श्रमिक हैं। इनकी संख्या 15 है।

› अंत में, जो लोग बच्चे या बूढ़े हैं और कोई काम नहीं करते, वे अश्रमिक हैं। इनकी संख्या 40 है।

› कुल जनसंख्या: 45 (मुख्य श्रमिक) + 15 (सीमांत श्रमिक) + 40 (अश्रमिक) = 100 लोग।

उत्तर – इस गाँव में 45 मुख्य श्रमिक, 15 सीमांत श्रमिक और 40 अश्रमिक हैं।

उदाहरण 15. मान लो, एक गाँव की कुल श्रमजीवी जनसंख्या 5000 है। इसमें से 2500 लोग अपनी ज़मीन पर खेती करते हैं, 1500 लोग दूसरों के खेतों में मज़दूरी करते हैं, 500 लोग घर पर छोटे उद्योग (जैसे टोकरी बनाना) चलाते हैं, और बाकी लोग स्कूल में पढ़ाते हैं या दुकान चलाते हैं। तो हर संवर्ग का प्रतिशत बताओ।

› पहले कुल श्रमजीवी जनसंख्या (Total Working Population) = 5000

› 1. कृषक (Farmers) = 2500 लोग

› प्रतिशत = (2500 / 5000) * 100 = 50%

› 2. कृषि मज़दूर (Agricultural Labourers) = 1500 लोग

› प्रतिशत = (1500 / 5000) * 100 = 30%

› 3. घरेलू औद्योगिक श्रमिक (Household Industry Workers) = 500 लोग

› प्रतिशत = (500 / 5000) * 100 = 10%

› 4. अन्य श्रमिक (Other Workers) = कुल - (कृषक + कृषि मज़दूर + घरेलू औद्योगिक श्रमिक) = 5000 - (2500 + 1500 + 500) = 5000 - 4500 = 500 लोग

› प्रतिशत = (500 / 5000) * 100 = 10%

उत्तर – इस गाँव में कृषक 50%, कृषि मज़दूर 30%, घरेलू औद्योगिक श्रमिक 10%, और अन्य श्रमिक 10% हैं।

उदाहरण 16. मान लीजिए एक गाँव में 2001 में 70% लोग खेती पर निर्भर थे और 2011 में यह संख्या 50% हो गई। बताइए यह किस प्रकार का बदलाव है और इसका क्या अर्थ है?

› पहला कदम: हमें देखना है कि लोग किस तरह के कामों से जुड़े हैं। 2001 में 70% लोग खेती में थे, याने प्राथमिक सेक्टर में।

› दूसरा कदम: 2011 में यह संख्या घटकर 50% रह गई। इसका मतलब है कि 20% लोग खेती छोड़कर किसी और काम में लग गए।

› तीसरा कदम: ये जो 20% लोग हैं, ये अब प्राथमिक सेक्टर (खेती) से निकलकर द्वितीयक (उद्योग) या तृतीयक (सेवा) सेक्टर में गए होंगे।

› चौथा कदम: तो यह 'कृषि से गैर-कृषि सेक्टर में बदलाव' का सीधा उदाहरण है।

› पांचवां कदम: इसका अर्थ है कि गाँव की अर्थव्यवस्था अब केवल खेती पर निर्भर नहीं है, बल्कि उसमें विविधता आ रही है, जो विकास का एक अच्छा संकेत है।

उत्तर – यह 'कृषि से गैर-कृषि सेक्टर में बदलाव' है, जिसका अर्थ है कि गाँव की अर्थव्यवस्था में विविधता आ रही है और लोग बेहतर अवसरों की तलाश में खेती से हटकर अन्य व्यवसायों में जा रहे हैं।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह प्रश्न 'भारत की जनगणना का इतिहास' या 'जनसंख्या आँकड़ों के महत्व' जैसे बड़े प्रश्नों में अक्सर पूछा जाता है, इसलिए तारीखें और महत्व याद रखना।

• यह अवधारणा सीधे बड़े अंकों के प्रश्न में नहीं आती, लेकिन 'जनसंख्या वृद्धि' और 'जनसांख्यिकीय संक्रमण' जैसे बड़े विषयों में इसके महत्व पर चर्चा करने के लिए इसे एक बिंदु के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. हर प्रावस्था की अवधि, उसकी विशेषता (जैसे स्थिर, विस्फोट) और उसके मुख्य कारणों को अच्छे से याद कर लेना.

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है! जनसंख्या वृद्धि दर में क्षेत्रीय भिन्नताओं के कारणों और प्रभावों पर अक्सर प्रश्न पूछे जाते हैं। अलग-अलग राज्यों के उदाहरणों के साथ अपने उत्तर तैयार करें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में सीधा प्रश्न बनकर आ सकता है कि 'किशोर जनसंख्या की प्रमुख चुनौतियों का वर्णन करें' या 'भारत सरकार द्वारा किशोरों के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?'

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अक्सर ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या के वितरण में अंतर-राज्यीय भिन्नताओं और उनके कारणों पर प्रश्न पूछे जाते हैं। आपको राज्यों के उदाहरणों के साथ इनके प्रतिशत और वृद्धि दर में अंतर पता होना चाहिए।

• बोर्ड परीक्षा में व्यावसायिक संवर्गों के नाम और उनका प्रतिशत वितरण, खास तौर पर भारत के संदर्भ में, सीधे-सीधे पूछा जा सकता है। यह भी पूछ सकते हैं कि महिला श्रमिकों की किस सेक्टर में ज़्यादा भागीदारी है।

एक नज़र में रिवीज़न

› जनसंख्या आँकड़ों का मुख्य स्रोत: जनगणना, हर 10 वर्ष में। पहली जनगणना 1872, संपूर्ण 1881।

› जनसंख्या के दुगुना होने का समय = 70 / वार्षिक वृद्धि दर

› भारत की जनसंख्या वृद्धि के चार ऐतिहासिक चरण: स्थिर, मध्यम, विस्फोट, घटती प्रवृत्ति.
› भारत में जनसंख्या वृद्धि दर राज्यों में बहुत भिन्न है; दक्षिण में कम, उत्तर में अधिक।
› किशोर जनसंख्या (10-19 वर्ष) भारत का भविष्य, पर चुनौतियों से घिरी।
› ग्रामीण-नगरीय संघटन: गाँव/शहर आबादी का अनुपात; सामाजिक-आर्थिक सूचक।
› श्रमजीवी जनसंख्या के कार्य-आधारित 4 मुख्य संवर्ग।